हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 5 नवंबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 नदी का सीना छलनी करना पड़ा महंगा पोकलेन मालिक पर...



05 'वोकल फॉर लोकल' पर भारी पड़ रही चायनीज सामान की चकाचौंध



खबर संक्षेप

अमानक उर्वरक विक्रय के मामले में एफआईआर दर्ज

सागर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी केसली द्वारा अमानक उर्वरक विक्रय के मामले में कार्रवाई करते हुए मेसर्स केसरी नंदन कृषि सेवा केंद्र, ग्राम टड़ा, तहसील केसली के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृषि विभाग द्वारा उक्त उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठान से उर्वरक का नमूना लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में संबंधित उर्वरक का नमूना निर्धारित गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप नहीं पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के प्रावधानों के उल्लंघन एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत संबंधित प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर के विरुद्ध पुलिस थाना केसली में एफआईआर दर्ज कराई गई है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी केसली ने बताया कि किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं मानक स्तर का उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। उर्वरक की गुणवत्ता में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज

सागर। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नगर स्थित केन्द्रीय बैंकों/उपक्रमों/कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाती हैं। सागर नगर की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026-27 की द्वितीय छमाही समीक्षा बैठक 05 नवंबर को मध्याह्न 12.10 बजे से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नराकास, सागर की अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे की अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जा रही है। उक्त बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहेंगे।

जनसुनवाई में हुई 247 आवेदनों पर कार्रवाई

सागर। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आए आमजनों की समस्याओं को सुना और आवेदन लेकर उनके निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अविनाश रावत, सिटी मजिस्ट्रेट शैलेश द्विवेदी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 247 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

अधिकारियों का प्रशिक्षण 5 एवं 6 नवंबर को

सागर। जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को आईएफएमआईएस से संबंधित कार्यों का प्रक्रियात्मक ज्ञान एवं क्षमता संवर्धन प्रदान करने के उद्देश्य से 5 एवं 6 नवंबर को प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन ई-दक्ष केंद्र सागर में किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि आईएफएमआईएस में आने वाली विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए वर्तमान में प्रायः पत्राचार किया जाता है, जबकि अधिकांश समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से आहरण संवितरण अधिकारियों को आईएफएम आईएस की कार्यप्रणाली, प्रक्रियाओं एवं समस्याओं के निराकरण संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नशे में वाहन चलाने वालों के 501 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

कमिश्नर ने नशे में वाहन चलाने वालों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई जारी रखने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभाग के सभी जिलों के जिला परिवहन अधिकारियों से पिछले तीन माह में वाहनों की जांच और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई।

बैठक में जानकारी दी गई कि नशे में वाहन चलाने के मामलों में इस वर्ष अब तक संभाग में कुल 501 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इनमें सागर जिले में 265, छतरपुर में 121, दमोह में 87, पन्ना में 21 और टीकमगढ़ में 7 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।

कमिश्नर दिलीप कुमार ने निर्देश दिए कि नशे में वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के आधार पर उनके ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

कमिश्नर ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूली बसों के साथ अन्य वाहनों की भी नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने दमोह में हाल ही में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए वाहनों की सघन जांच करने तथा 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के मालिकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे वाहनों को बदलने, परमिट निरस्त करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए भी कहा।

कमिश्नर ने वाहन जांच के दौरान फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, प्रदूषण प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बैठक में कमिश्नर ने परिवहन विभाग के राजस्व संग्रहण की समीक्षा करते हुए चेक पोस्ट के माध्यम से वसूली सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बकाया कर की वसूली के लिए नोटिस जारी करने और आवश्यकतानुसार वाहन पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई करने को कहा। बैठक में सागर संभाग के सभी जिलों के जिला परिवहन अधिकारी एवं परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।



पटाखा व्यापारियों पर कार्रवाई के विरोध में थाने में पुलिस के खिलाफ नारेबाजी

क्षेत्रीय विधायक भाजपा नेताओं के साथ थाना पहुंचे, कार्रवाई पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवरीकलाँ

दीपावली पर्व को लेकर स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा आतिश बाजी व्यापारियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई के विरोध में भाजपा नेताओं ने थाना पहुंचकर नाराजगी जाहिर की एवं पुलिस प्रशासन के विरोध में नारेबाजी की। मामले की जानकारी मिलने के बाद पहुंचे क्षेत्रीय विधायक ने पुलिस अधिकारियों से बात की एवं फटाखा व्यापारियों को अपने साथ ले गए।

दरअसल पूरे प्रदेश में प्रशासन एवं पुलिस महकमें द्वारा आतिश बाजी के अवैध भंडारण को लेकर कार्रवाई की जा रही है, उक्त संबंध में स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी वरिष्ठ कार्यालय से निर्देश जारी किये गये थे। उसी को लेकर मंगल वार को अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी देवरी सहित पुलिस अमले ने देवरी नगर में आतिशबाजी विक्रेताओं के घर में खोजबीन की थी। जिसके बाद पुलिस कार्रवाई को लेकर हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता पुलिस थाना परिसर में जमा हो गए एवं पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को अवैधानिक एवं गैरजरूरी बताकर विरोध दर्ज कराने लगे। भाजपा नेताओं का कहना था कि पुलिस द्वारा चिन्हित कार्रवाई कर प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, शासन द्वारा आवासीय इलाकों में भंडारण के सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश होने के बाद भी खेत एवं अनयत्र भंडारण पर भी आपत्ति किया जाना विसंगतिपूर्ण है। मामले में जिला प्रशासन द्वारा आतिशबाजी के लाईसेंस जारी किये जाने के मुद्दे में भी भाजपा नेताओं ने जमकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्य कर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के विरोध में नारेबाजी भी की। मामले की सूचना मिलने के बाद देवरी थाना पहुंचे विधायक बृज बिहारी पटैरिया ने पुलिस अधिकारियों से बात की एवं आतिश बाजी विक्रेताओं को अपने साथ ले गए।

इनका कहना है

इस संबंध में देवरी थाना प्रभारी कपिल लक्षकार का कहना है कि पूरे प्रदेश में पुलिस विभाग द्वारा अवैध फटाखा भंडारण के विरूद्ध सर्चिंग की जा रही है, उसी तारतम्य में देवरी में चार स्थानों पर सर्च की गई थी, जिसमें 2 स्थानों पर जब्ती कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में विमल कुमार जैन जैतपुर कोपरा के आवास से 14 हजार 9 सौ रूपये के फटाखे जब्त किए गए हैं। समाचार लिखे जाने तक एक अन्य कार्रवाई पुलिस द्वारा जारी थी।



वेस्टर्न बायपास निर्माण साइट पहुंचे कलेक्टर, 20 किमी लंबे वेस्टर्न बायपास का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर शहर के यातायात को नई दिशा देने वाले निर्माणाधीन वेस्टर्न बायपास (एनएच-146) के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेने बुधवार को कलेक्टर दिलीप कुमार यादव स्वयं निर्माण स्थल पहुंचे। लेहदरा से बरखेड़ी गुरु तक प्रस्तावित इस 20.19 किमी लंबे मार्ग के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और प्रभावित भू-स्वामियों के मुआवजा वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरतने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बायपास मार्ग का लेआउट देखा और प्रस्तावित फ्लाई ओवर, रैंप तथा अधिग्रहित जमीनों का विस्तृत विवरण लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रभावित गांवों के किसानों एवं भू-स्वामियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुआवजा राशि की गणना और वितरण में कोई त्रुटि नहीं होनी चाहिए। फौती, नामांतरण, सीमांकन, नक्शा सुधार तथा सिंचित-असिंचित भूमि से जुड़ी राजस्व मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। जिन मृतक भू-स्वामियों के मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं हैं, उनकी सूची तत्काल पेश करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आपसी समझौते वाले लंबित प्रकरणों का त्वरित निपटारा हो।

कलेक्टर यादव ने यह भी निर्देश दिये कि बायपास को सर्वसुविधायुक्त और सुरक्षित बनाया जाए। वन क्षेत्र से गुजरने वाले हिस्से के दोनों ओर बाउंड्री वॉल और जालीदार फेंसिंग लगाई जाए, साथ ही जरूरत के अनुसार रिटेनिंग वॉल बनाई जाए। मुख्य रोड क्रॉसिंग पर भविष्य के यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए सभी जगह साइनेज और ट्रैफिक कंट्रोल संरचनाएं विकसित की जाएं। उन्होंने पीएचई, राजस्व, एनएच सहित अन्य विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि 688.31 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस 20.19 किमी लंबे बायपास का निर्माण एम एस आर्केन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य सागर शहर को भारी यातायात से मुक्ति दिलाते हुए नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर से सीधे जोड़ना है। निरीक्षण के दौरान पीडी एनएचएआई मृदुल राकेश मिश्रा, एसडीएम सागर रोहित वर्मा, एसडी एम जैसीनगर नवीन सिंह ठाकुर, नेशनल हाईवे अथॉरिटी और निर्माण कंपनी के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में एक माह तक आयोजित सतर्कता जागरुकता कार्यक्रम का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में आयोजित सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम-2026 का समापन अभिमंच सभागार में हुआ। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' रखी गई थी। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों और ईमानदारी के महत्व पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत उद्बोधन में शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने कहा कि सतर्कता केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. पुष्पिता राजावत ने एक माह तक आयोजित गति विधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 1 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली प्रदर्शन, पोस्टर, स्लोगन, निबंध, वाद-विवाद, रंगोली, रैली और कॉमिक बुक निर्माण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने कहा कि सुशासन और न्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए प्रत्येक व्यक्ति का ईमानदार एवं उत्तरदायी होना जरूरी है। भ्रष्टाचार सामाजिक विश्वास और संस्थागत व्यवस्था को कमजोर करता है। विद्यार्थियों को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा के महत्व पर जोर दिया। कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने संस्थागत प्रशासन में ईमानदारी एवं नियमों के पालन को आवश्यक बताया। वहीं मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. यूके पाटिल ने कहा कि भ्रष्टाचार की रोकथाम प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।कुलपति प्रो. नागेश दुबे ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल ज्ञान देने के केंद्र नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता के निर्माण के आधार भी हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में आयोजित जागरूकता गतिविधियों की सराहना की।इस अवसर पर एक माह की गतिविधियों पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रहली, देवरी एवं सागर के बाद खुरई में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

सागर। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पांडेय के आदेशानुसार, आबकारी आयुक्त के निर्देश पर संचालित विशेष अभियान के तहत वृत्त खुरई में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध संयुक्त रूप से दबिश देकर कार्रवाई की गई। अभियान के अंतर्गत थाना खिमलासा क्षेत्र के ग्राम सदलपुर टांडा एवं बसारी टांडा में वृत्त प्रभारी दीप्ति किरण धुर्वे द्वारा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई के दौरान 9.5 लीटर कच्ची मदिरा एवं 475 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया जाकर प्रकरण को विवेचना में लिया गया। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 49,400 है। उक्त संयुक्त कार्यवाही में वृत्त प्रभारी बीना शैलेन्द्र मार्को, वृत्त प्रभारी उत्तर एस.पी. साकेत, वृत्त प्रभारी रहली सुश्री मोनिका चंदेल, वृत्त प्रभारी देवरी मदन यादव सहित आबकारी अमले की सक्रिय सहभागिता रही।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितौरा सागर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

सागर। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एम.के. शर्मा के निर्देशानुसार सुरक्षित बचपन अभियान अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितौरा, सागर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। न्यायायिक मजिस्ट्रेट आकांक्षा श्रीवास्तव द्वारा छात्र-छात्राओं को उनके अधिकार व्यक्तिगत और ऑनलाइन सुरक्षा और शिकायत दर्ज करने के तरीकों तथा निशुल्क कानूनी सहायता और बाल संरक्षण सहायता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी एवं साथ ही चाईल्ड हेल्पलाइन नं. 1098 व नालसा हेल्पलाइन नं. 15100 की जानकारी प्रदान की गई। उक्त शिविर में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।



हफसिली में 9 नवंबर को होगा गोवर्धन पूजन निगमायुक्त ने तैयारियों का लिया जायजा

सागर। नगर निगम की डेयरी विस्थापन परियोजना स्थल हफसिली में 9 नवंबर को गोवर्धन पर्वत पूजन एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन भव्यता के साथ किया जाएगा। इसकी तैयारियों का निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निगमायुक्त ने बताया कि पशुपालन संघ और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के साथ डेयरी विस्थापन परियोजना को सफल बनाना और नागरिकों को शहर के विकास, स्वच्छता एवं सुंदरता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने आयोजन स्थल की साफ-सफाई और समय पर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। इस वर्ष गोबर और मिट्टी से 101 फीट लंबा तथा 11 फीट ऊंचा विशाल गोवर्धन पर्वत बनाया जाएगा। इसके साथ भगवान श्रीकृष्ण, गायों और अन्य आकर्षक आकृतियों का निर्माण कर रंगों से सजावट की जाएगी। निगमायुक्त ने कहा कि प्रयास है कि यह प्रदेश के सबसे बड़े गोवर्धन पर्वतों में शामिल हो और श्रद्धालुओं के लिए आस्था एवं आकर्षण का केंद्र बने।

आयोजन में गोवर्धन पर्वत के दर्शन एवं पूजन के साथ भगवान श्रीकृष्ण की झांकी, रंगोली और आकर्षक सजावट होगी। इसके अलावा बुंदेली लोक संस्कृति पर आधारित मोनिया, दिवाली और ग्वाल नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। लोक कलाकार ढोल, ताशे और नगड़ियों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। अन्नकूट में 56 भोग लगाया जाएगा, जिसमें पशुपालक और स्थानीय नागरिक अपने घरों से पकवान लाकर भगवान को अर्पित करेंगे। इस दौरान पशुपालक अपनी गायों को रंग-बिरंगे रंगों और आभूषणों से सजाकर लाएंगे तथा गौ पूजन भी करेंगे।

मालथौन में युवा एवं विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित, दो सड़कों के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

युवाओं की ऊर्जा का उपयोग सृजन और विकास में हो, अराजकता में नहीं: अविराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय मालथौन में युवा एवं विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि युवा किसी भी लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव होते हैं। उनकी ऊर्जा का उपयोग हिंसा और अराजकता के बजाय शिक्षा, नवाचार, उद्यमशीलता और राष्ट्र निर्माण में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य युवाओं के संकल्प, तकनीकी क्षमता और सक्रिय भागीदारी से ही पूरा होगा। युवाओं को लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ अपने नागरिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भी समझना होगा। सोशल मीडिया के उपयोग में सावधानी बरतते हुए बिना तथ्यों की जांच किए किसी भी जानकारी को साझा नहीं करना चाहिए।

अविराज सिंह ने कहा कि युवा नौकरी पाने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी भी बनें। स्टार्टअप, स्वरोजगार और तकनीकी नवाचार के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दें। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का उल्लेख करते हुए कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ हैं। ऐसी अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

उन्होंने लोकतंत्र में संवाद और संवैधानिक प्रक्रियाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों को तथ्यों और सकारात्मक चर्चा के माध्यम से सामने रखना चाहिए। युवाओं को अंधसमर्थन और अंधविरोध से बचते हुए नीतियों एवं कार्यों के आधार पर अपनी राय बनानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के लिए अपनी प्रतिभा का उपयोग करने का आह्वान किया।

दो सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

इस अवसर पर अविराज सिंह ने बमनोरा तिराहा से रामछायरी तक 5.80 किलोमीटर लंबी सड़क के 345.83 लाख रुपए की लागत से होने वाले निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके अलावा रामछायरी-मुहली-झोलसी मार्ग के 4.50 किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 270.93 लाख रुपए है।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष जयंत सिंह बुंदेला, मालथौन मंडल अध्यक्ष अरविंद लोधी, बरोदिया कला नगरपालिका अध्यक्ष चुन्नी लाल कुशवाहा, आरसी दुबे, पुष्पेंद्र परिहार, रामकुमार बघेल, पुष्पेंद्र तोमर, बलवीर सिंह, जाहर अहिरवार सहित जन प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

2640 घनमीटर रेत निकालने पर कलेक्टर न्यायालय का बड़ा फैसला

नदी का सीना छलनी करना पड़ा महंगा पोकलेन मालिक पर 1.98 करोड़ का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़





जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन में लगे वाहन मालिक पर 1 करोड़ 98 लाख रुपये का भारी-भरकम अर्थदंड अधिरोपित किया है। इसके साथ ही अवैध उत्खनन में इस्तेमाल की गई हुंडई कंपनी की आर-210 पोकलेन मशीन को राजसात करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। कलेक्टर न्यायालय ने यह आदेश 3 नवंबर को वाहन मालिक महेंद्र सिंह यादव निवासी नैगुवां खिरिया नाका के विरुद्ध पारित किया। नदी क्षेत्र में भारी मशीनों से अवैध रेत उत्खनन करने के इस मामले में प्रशासन की कार्रवाई अब आर्थिक दंड तक पहुंच गई है।

प्रकरण के अनुसार, कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देश पर 12 मई को जतारा एसडीएम निशांत सिंह भूरिया, पलेरा तहसीलदार कुलदीप सिंह और नायब तहसीलदार श्रीपत अहिरवार ने राजस्व विभाग की टीम के साथ ग्राम टौरिया उगड़ में खसरा नंबर 7/50 स्थित नदी क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई की थी। धसान/उर नदी क्षेत्र में जब प्रशासनिक टीम ने छापा मारा तो वहां भारी मशीनों के जरिए अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। प्रशासन ने मौके से दो पोकलेन मशीनें जब्त की थीं। वहीं रेत निकालने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे लिफ्टर और पनडुब्बियों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया था। इस कार्रवाई से अवैध उत्खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया था।

संयुक्त टीम की जांच में हुंडई कंपनी की आर-210 पोकलेन मशीन से करीब 2640 घनमीटर रेत का अवैध उत्खनन होना पाया गया। मौके पर उत्खनन से बने गड्ढे की लंबाई 80 मीटर, चौड़ाई 22 मीटर और गहराई करीब डेढ़ मीटर दर्ज की गई थी। मशीन चालक कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गया था। इसके बाद प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां सुनवाई के बाद मशीन मालिक के विरुद्ध अर्थदंड और राजसात की कार्रवाई का आदेश पारित किया गया। मामले में मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के नियम 18(2) के तहत 3 लाख 30 हजार रुपये की रॉयल्टी का 15 गुना यानी 49 लाख 50 हजार रुपये अर्थशास्ति तथा 49 लाख 50 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति निर्धारित की गई। अन्य देय राशि सहित कुल 99 लाख 1 हजार रुपये की शास्ति तय की गई थी। निर्धारित समय में प्रशमन नहीं कराए जाने पर नियम 18(6) के तहत इस राशि को दोगुना करते हुए 1 करोड़ 98 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित कर दिया गया। सुनवाई के दौरान मशीन मालिक महेंद्र सिंह यादव की ओर से यह दलील दी गई कि पोकलेन मशीन सुरेंद्र सिंह राजपूत को किराए पर दी गई थी और अवैध उत्खनन में उनकी कोई भूमिका नहीं है। हालांकि, न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। शासन पक्ष के साक्षियों के प्रतिपरीक्षण से इंकार करने और अपने बचाव में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण उनकी दलील खारिज कर दी गई। इसके बाद न्यायालय ने भारी अर्थदंड लगाने के साथ मशीन को राजसात करने का आदेश पारित किया। राजसात की गई पोकलेन मशीन से प्राप्त होने वाली राशि शासकीय खनिज मद शीर्ष 0853 में जमा कराई जाएगी। इस कार्रवाई को जिले में अवैध खनन करने वालों के लिए कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासन की इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि नदी क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाकर अवैध उत्खनन करने वालों को अब भारी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

छोटे भाई ने रोते हुए बयां किया मंजर

शराब के नशे में फांसी की धमकी देने वाला भाई मिला फंदे पर लटका



हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

शराब की लत ने एक और परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। शराब के नशे में अक्सर फांसी लगाकर जान देने की धमकी देने वाले युवक ने आखिरकार अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मंगलवार रात करीब 9:30 बजे दिगौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम लाखरौन में 28 वर्षीय युवक का शव घर के सामने पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई, वहीं परिवार में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार ग्राम लाखरौन निवासी सीताराम केवट मंगलवार रात अपने घर के सामने लगे पेड़ पर फांसी के फंदे से झूलता मिला। परिजनों को घटना की जानकारी लगी तो उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे फंदे से नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर दिगौड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के छोटे भाई महेंद्र केवट ने रोते हुए बताया कि उसका बड़ा भाई सीताराम शराब पीने का आदी था। शराब के नशे में वह अक्सर फांसी लगाकर जान देने की धमकी देता था। परिवार के लोग उसकी इन बातों को लेकर चिंतित रहते थे, लेकिन इस बार उसने सचमुच ऐसा कदम उठा लिया। महेंद्र ने बताया कि मंगलवार रात वह खेत से घर लौटा तो बड़े भाई को घर के सामने पेड़ पर फंदे से लटका देखा। यह दृश्य देखकर परिवार के लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस ने मामले को जांच में लिया है और युवक के इस कदम के पीछे के परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है।

कलेक्टर ने बच्चों की कलाकृतियां देखीं

दिव्यांग बच्चों के हुनर से रोशन हुई दीपावली हुनरमंद हाथों से बने दीपकों ने मोहा मन



हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

किसी की शारीरिक सीमाएं उसकी प्रतिभा और हुनर का रास्ता नहीं रोक सकतीं। इस बात की खूबसूरत मिसाल दीपावली के अवसर पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र टीकमगढ़ में देखने को मिली। यहां दिव्यांग बच्चों ने अपने हुनर और रचनात्मकता से आकर्षक दीपक सहित विभिन्न हस्तनिर्मित सामग्री तैयार कर प्रदर्शनी लगाई। बच्चों के हुनर से सजे इन उत्पादों ने न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि आत्मविश्वास, मेहनत और आत्मनिर्भरता का संदेश भी दिया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पहुंचे। उन्होंने बच्चों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए आकर्षक दीपकों और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं को देखा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनकी कलाकृतियों और उन्हें तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों की मेहनत, लगन और रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। दीपावली के पावन पर्व पर आयोजित इस प्रदर्शनी ने त्योहार की खुशियों को एक अलग अर्थ दिया। बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से यह साबित किया कि प्रतिभा किसी शारीरिक परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। जरूरत है तो केवल अवसर, प्रोत्साहन और सही मंच की। उनके द्वारा तैयार की गई हस्तनिर्मित सामग्री ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उनकी क्षमता और मेहनत को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में उपसंचालक सामाजिक न्याय सौरव तिवारी, जिला योजना अधिकारी रामबाबू गुप्ता, जिला आपूर्ति अधिकारी कुलदीप मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना तथा समाज में उनके हुनर और क्षमताओं को पहचान एवं सम्मान दिलाना रहा। प्रदर्शनी ने यह संदेश दिया कि यदि दिव्यांग बच्चों को उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अपनी प्रतिभा से समाज में नई पहचान बना सकते हैं।



स्कूलों की व्यवस्था पर सीईओ धाकड़ हुये सख्त, दिए निर्देश

टीकमगढ़। जिले के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत प्रशासन ने निगरानी बढ़ाने की तैयारी की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विशाल धाकड़ ने स्कूलों में पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों और मध्यान्ह भोजन वितरण व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन मिलना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विशाल धाकड़ की अध्यक्षता में 3 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (जिला शिक्षा केंद्र) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक पीआर त्रिपाठी ने विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा प्रस्तुत की। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों, यू-डायस, माध्यमिक कक्षाओं में एटग्रेड पुस्तिकाओं की उपलब्धता और रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रारंभ करने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में एपीसी अकादमिक मनोज कुमार गुप्ता ने ऑनलाइन कक्षाओं की मॉनिटरिंग, अभ्यास पुस्तिकाओं के वितरण और जादुई पिटारा प्राप्ति की ऑनलाइन प्रविष्टि की स्थिति से अवगत कराया। इसके अलावा प्री-प्राइमरी कक्षाएं संचालित करने वाले विद्यालयों में बच्चों के अनुकूल फर्नीचर की उपलब्धता संबंधी ऑनलाइन प्रविष्टि की भी समीक्षा की गई। सीईओ विशाल धाकड़ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी विद्यार्थी को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन मिलने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में केवल योजनाओं का संचालन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका लाभ प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचना भी जरूरी है। इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी करें। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने, शिक्षण कार्य को व्यवस्थित रखने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला शिक्षा केंद्र से एपीसी अकादमिक मनोज कुमार गुप्ता, एपीसी जेंडर सुभाषिणी नायक, प्रोग्रामर सहित जिले के समस्त विकासखंडों के बीआरसीसी, बीएसी एवं जनशिक्षक उपस्थित रहे।

अवैध पटाखों की तलाश में पुलिस ने खंगाले मकान और दुकाने

दीपावली पर हादसों का खतरा टालने पुलिस की घेराबंदी, संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



दीपावली पर्व को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए टीकमगढ़ पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। अवैध पटाखों और विस्फोटक सामग्री के भंडारण, विक्रय एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने जिले में निगरानी और जांच अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में कोतवाली और लिधौरा पुलिस ने मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध दुकानों, रहवासी मकानों और भंडारण स्थलों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच के दौरान कहीं भी अवैध पटाखे या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई।

पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुखबिर तंत्र सक्रिय रखने, संदिग्ध स्थानों पर लगातार निगरानी करने और अवैध रूप से पटाखों एवं विस्फोटक सामग्री का भंडारण या विक्रय करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। एसपी अग्रवाल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा, एसडीओपी सौरभ रत्नाकर एवं एसडीओपी जतारा अनिल कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रवि भूषण पाठक तथा लिधौरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक मनोज द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने कार्रवाई की। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर एक रहवासी मकान और दुकान की तलाशी ली। इसके अलावा डोंगा स्थित एक दुकान पर भी जांच की गई। पुलिस टीम ने संभावित भंडारण स्थलों को खंगाला, लेकिन कोई अवैध पटाखा या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। इसी तरह लिधौरा थाना प्रभारी मनोज द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बे की विभिन्न दुकानों और संबंधित भंडारण स्थलों पर सघन जांच एवं तलाशी अभियान चलाया। यहां भी किसी प्रकार की अवैध पटाखा सामग्री अथवा विस्फोटक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दीपावली के दौरान आतिशबाजी के नाम पर अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में जनहानि, आगजनी और गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। पुलिस ने दुकानदारों और आम नागरिकों से नियमों का पालन करने तथा अवैध गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है।

5 भैंसें लापता होने से परेशान महिला की मौत फांसी पर मिली



टीकमगढ़। जिले के दिगौड़ा कस्बे में बुधवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। तहसील के पास रहने वाली 46 वर्षीय अनीता चढ़ार अपने घर के कमरे में मृत अवस्था में मिलीं। परिजनों के अनुसार, उनकी पांच भैंसें सोमवार से लापता थीं, जिन्हें लेकर वह काफी परेशान थीं। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार अनीता चढ़ार के पुत्र लक्ष्मण चढ़ार और गोविंद चढ़ार ने बताया कि उनकी पांच भैंसें सोमवार से घर नहीं लौटी थीं। दोनों भाई लगातार भैंसों की तलाश कर रहे थे। इस दौरान घर पर उनकी मां अनीता अकेली थीं। भैंसों के लापता होने से वह काफी चिंतित और परेशान थीं। मंगलवार रात उन्होंने परिवार के साथ खाना खाया और इसके बाद अपने कमरे में सोने चली गईं। बुधवार सुबह करीब 7 बजे तक जब अनीता कमरे से बाहर नहीं निकलीं तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो अनीता फंदे पर लटकी मिलीं। परिजनों ने उन्हें नीचे उतारकर देखा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने पुलिस टीम को मौके पर भेजा।

जिला अभिभाषक संघ चुनाव: यज्ञदीप को मिले 355 मत, गणेश सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष व मुकेश सचिव निर्वाचित

यज्ञदीप की धमाकेदार वापसी, बंपर जीत के साथ दूसरी बार बने अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़





जिला न्यायालय परिसर में मंगलवार 3 नवंबर को संपन्न हुए जिला अभिभाषक संघ (बार एसोसिएशन) के चुनाव में यज्ञदीप रावत ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष पद पर दूसरी बार कब्जा जमाया। एक कार्यकाल तक चुनावी मैदान से दूर रहने के बाद उनकी वापसी ने चुनाव को खास बना दिया। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में यज्ञदीप रावत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अनिल त्रिपाठी को 218 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। देर रात तक चली मतगणना के बाद परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

जीत की सुनश्चित

अध्यक्ष पद के चुनाव में यज्ञदीप रावत को सर्वाधिक 355 मत प्राप्त हुए, जबकि अनिल त्रिपाठी 137 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रघुवीर सिंह तोमर को 107 और गौरव श्रीवास्तव को 12 मत मिले। इस तरह यज्ञदीप रावत ने एकतरफा बढ़त बनाते हुए अध्यक्ष पद पर अपनी जीत सुनिश्चित की। चुनाव में कुल 673 अधिवक्ता मतदाताओं में से 620 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 53 अधिवक्ताओं ने मतदान नहीं किया। पूरी मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

अन्य पदों पर हुए चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर गणेश सिंह ठाकुर (गणेश मान सिंह) ने 256 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। संध्या असाटी को 146, अचला वर्मा को 103 और शिवनारायण सोनी को 101 मत मिले। सचिव पद पर मुकेश साहू ने 230 मत प्राप्त कर विजय दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी चन्द्रभान सिंह यादव को 221 और पुष्पेन्द्र कुमार जैन को 150 मत मिले। सह सचिव पद पर रविन्द्र कुमार अहिरवार 228 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए। रूबी शुक्ला को 212 और सुमित कुमार जैन को 150 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर ज्योति यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 356 मत प्राप्त किए और जीत हासिल की। उनकी प्रतिद्वंद्वी शबाना बानो को 211 मत मिले। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर गुलाब सिंह राय 311 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए, जबकि रोहित चतुर्वेदी को 272 मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य पुरुष वर्ग में गंगाराम रैकवार ने 233, अभिषेक प्रताप सिंह राजपूत ने 216 और सचिन जैन ने 214 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में आकांक्षा विश्वकर्मा 265 और महिमा दीक्षित 259 मत प्राप्त कर कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुईं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी आरएन तिवारी एडवोकेट एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई। परिणाम घोषित होते ही न्यायालय परिसर में यज्ञदीप रावत के समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मनाया। अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं। दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद यज्ञदीप रावत ने सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि अधिवक्ताओं के विश्वास और समर्थन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वे सभी अधिवक्ताओं को साथ लेकर चलेंगे और किसी के साथ भेदभाव किए बिना अधिवक्ता हितों की आवाज बुलंद करेंगे। संघ के सदस्यों की समस्याओं का समाधान कराना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और अभिभाषक संघ को पहले से अधिक मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अधिवक्ताओं ने जिस विश्वास के साथ उन्हें दोबारा जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

चायनीज इलेक्ट्रॉनिक सामान ने कुम्हारों से छीना परंपरागत रोजगार

'वोकल फॉर लोकल' पर भारी पड़ रही चायनीज सामान की चकाचौंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

इन दिनों शहर के बाजारों में कई जगह मिट्टी के बर्तन खासकर 'दिए' बेचे जाने के स्टॉल सड़क किनारे पर लगे हुए खूब दिखाई पड़ रहे हैं। यह स्टॉल हर समय दीपावली के अवसर पर कुम्हार जाति के लोग जो परंपरागत मिट्टी के बर्तन बनाने का व्यवसाय करते हैं लगाते हैं लेकिन चाइनीस सामान के बाजार में आने से उनके इस परम्परागत व्यवसाय पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इस धंधे में अब पहले जैसा मुनाफा और बिक्री नहीं रही जो कभी होती थी।

लोग मिट्टी के दिए खरीदने के बजाय चाइनीज सामान झालर इत्यादि खरीदना अधिक पसंद कर रहे हैं। जिससे परंपरागत मिट्टी के बर्तन बनाने वाले व्यवसाययों का व्यवसाय खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है। हालांकि सरकार द्वारा इस व्यवसाय को बचाने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' अभियान चला रही है जिसके तहत लोगों को चायनीज सामान खरीदने के बजाए देशी सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लेकिन श्योपुर जिले में फिलहाल 'वोकल फॉर लोकल' कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। हालांकि विगत वर्षों में जिला कलेक्टर सहित विभिन्न अधिकारी सड़कों पर इस तरह देशी सामान खरीदकर लोगों को 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश देते रहे हैं लेकिन जिले में अभी तक इस तरह की जागरूकता फिलहाल अधिकारियो के माध्यम से देखने को नहीं मिली है। और स्वदेशी का नारा देने वाले भाजपा नेता भी शायद इस अभियान से फिलहाल अनजान बने हुए हैं।

इस विकट परिस्थिति में जहां एक ओर निराशा है, वहीं दूसरी ओर समझदार नागरिक इन कुम्हारों के समर्थन में आगे भी आ रहे हैं। स्थानीय खरीदार इस स्थिति पर चिंता जताते हुए स्वदेशी अपनाने की पुरजोर वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि हमें मिट्टी के दीये जरूर खरीदने चाहिए, क्योंकि यह हमारे देश के कारीगरों की बेजोड़ कलाकारी है. इसे सिर्फ कुम्हार भाई ही बना सकते हैं। चाइनीज या ऑटोमेटिक सामान से असली दीपावली नहीं मनाई जाती। असली रोशनी तो मिट्टी के दीयों से ही होती है। लोगों से अपील है कि वे स्वदेशी अपनाएं। लेकिन उनकी अपील शायद नक्कारखाने में तूती की आवाज साबित हो रही है।बदलते दौर और बाजार में आई चाइनीज लाइटिंग के चलते पुश्तैनी हुनर से जुड़े कुम्हारों के सामने आज रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है. दिन-रात चाक पर मेहनत कर हजारों दीये गढ़ने वाले ये परिवार आज ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं. कुम्हार परिवार दीपावली के लिए दिन-रात मेहनत कर हजारों दीये तैयार करते हैं, लेकिन बाजार में चाइनीज लाइटिंग और विदेशी सजावटी आइटम की बढ़ती लोकप्रियता के चलते पारंपरिक दीयों की बिक्री प्रभावित हो रही है। कुम्हारों को उम्मीद है कि लोग इस बार स्वदेशी परंपरा को प्राथमिकता देंगे। उनका कहना है कि मिट्टी के दीये खरीदना केवल एक परंपरा निभाना नहीं है, बल्कि स्थानीय कारीगरों की मेहनत और उनके परिवारों की आजीविका को सहारा देना भी है।



खत्म हो रहा कला, संस्कृति और हुनर

श्योपुर जिला पूरे प्रदेश में अपनी कला, संस्कृति और हुनर के लिए प्रसिद्ध है। यहां की माटी से बने उत्पाद, जैसे सुप्रसिद्ध कुल्हड़ और अन्य बर्तन, न केवल स्थानीय बाजारों की शान बढ़ाते हैं, बल्कि अपनी बेहतरीन गुणवत्ता और कलात्मकता के दम पर प्रदेश में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। श्योपुर की मिट्टी में वह तासीर है जिससे शहर में लोग गर्मियों के समय रेफ्रिजरेटर के बजाय ठंडा पानी के लिए मिट्टी के मटके का उपयोग अधिक करते हैं। जिनमें पानी जल्द ही शीतल हो जाता है। पर कुम्हार अब इस परंपरागत व्यवसाय को छोड़ रहे हैं क्योंकि दीपावली पर अब उनके बर्तन खासकर दिए इतने नहीं बिकते जितने पहले बिकते थे क्योंकि दियों का स्थान चाइनीस झालर और लाइट के सामानों ने ले लिया है।

विधायक जंडेल ने बेचे दिए

कुम्हार समुदाय का परंपरागत मिट्टी के बर्तन बनाने के व्यवसाय में मंदी को देखते हुए विधायक बाबू जंडेल अपनी ओर से पहल कर गांधी पार्क पर लगी दुकानों पर खुद दुकानदार बनकर बैठे और लोगों को आवाज दे देकर सामान खरीदने के लिए बुलाया। उनके बैठने का असर यह हुआ की बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने उनसे मिट्टी के बर्तन इत्यादि खरीदे। इससे जिस स्टॉल पर विधायक बाबू जंडेल दुकानदारी करने बैठे थे वहां तो अच्छी दुकानदारी हो गई लेकिन अन्य दुकानदार आज भी हाथ पै हाथ रखे बैठे हैं। वह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि दीपावली के एक-दो दिन पहले या दीपावली वाले दिन ही शायद उनके दिए बिक जाए।

दीपक बेचने वाली महिला ने बयां किया दर्द

दीपक बेचने वाली रुक्मिणी देवी कहती हैं कि दुकान लगाए हुए 15 दिन हो गए हैं, लेकिन कोई ग्राहकी नहीं होने से डर लग रहा है कि जो दिए दो महीनो से बनाकर स्टॉक किए गए हैं वो बिकेंगे भी या नहीं। लोग चाइना का सामान ज्यादा खरीदते हैं और दीपक नहीं लेते। अब क्या करें, इसमें कोई कमाई नहीं बची है। मिट्टी का सामान टूट-फूट जाता है, तो नुकसान अलग होता है. यह सब देखकर बहुत दुख होता है।

एसैप छात्र संघ ने बडौदा बीएमओ को ज्ञापन सौंपकर दी चेतावनी

जल्द नहीं सुधरी बड़ौदा अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाएं तो करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



बड़ौदा स्थित सरकारी अस्पताल में लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समस्याओं को लेकर बुधवार को एसैप छात्र संगठन ने बीएमओ बडौदा डॉ राघवेन्द्र सिंह भदौरिया को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में छात्र संगठन ने अस्पताल में डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, जांच मशीनों को दुरुस्त कराने, हड्डी रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति किए जाने सहित अन्य कई समस्याओ के निराकरण की मांग करते हुए चेतावनी भी दी गई है कि समस्याओ का निदान जल्द नहीं किया गया तो इसके विरोध में आंदोलन किया जाएगा।

एसैप छात्र संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक मीणा कलोनी की अगुवाई में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि बड़ौदा के अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचने वाले आम नागरिकों, बुजुर्गों और गरीब परिवारों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। डॉक्टरों के निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं रहने की शिकायतें सामने आती हैं। वहीं कुछ डॉक्टरों द्वारा शासकीय अस्पताल की अपेक्षा अपने निजी क्लीनिकों पर अधिक समय देने की शिकायतें भी मरीजों द्वारा की जाती हैं। इसके चलते सरकारी अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त जांच मशीनों से सही रिपोर्ट नहीं मिलने की समस्या और हड्डी रोग विशेषज्ञ की कमी के कारण मरीजों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। संगठन ने ज्ञापन की प्रति सीएमएचओ और कलेक्टर की ओर भेजी गई है। ज्ञापन लेने के दौरान बीएमओ डॉ भदौरिया ने संगठन की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए व्यवस्थाओं में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। साथ ही डॉक्टरों की सूची एवं ड्यूटी की समय-सारणी अस्पताल में चस्पा करने की मांग पर भी सकारात्मक सहमति जताई। ज्ञापन सौपने के दौरान एसैप छात्र संघ के बड़ौदा ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश मीणा ,राजू बैरवा,महावीर मीणा,बलराम मीणा, हरिओम माहौर, अजय मीणा मौजूद रहे

अंडरपास में फंसा ट्रक, ग्रामीण बोले कैसे चलेगा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



ग्वालियर से श्योपुर तक नेरोगेज का अमान परिवर्तन कर बनाई गई ब्रॉड गेज का काम लगभग पूरा हो गया है जगह-जगह गांव में पहुंचने के लिए अंडर पास ब्रिज बनाए गए हैं हालांकि ग्रामीणों ने अंडरपास के बजाय ओवरपास ब्रिज बनाने की मांग की थी इसके लिए आंदोलन भी किया लेकिन सरकार के नुमाइंदे नेताओं ने ग्रामीणों की बात सुनने के बजाय उन्हें समझाइश दे दी कि अंडरपास से कोई परेशानी नहीं आएगी लेकिन अंडरपास के कारण वही परेशानी सामने आ रही है जो परेशानी ग्रामीणों ने सरकार को बताई थी यानी बड़े वाहन अंडरपास से नीचे से गुजर नहीं पा रहे हैं उनकी ऊंचाई इतनी कम कर दी गई कि ट्रक जैसे वाहन अंडरपास ब्रिज से पास नहीं हो रहा है। इसकी बानगी बुधवार को टर्राकला गांव में देखने को मिली, जहां एक ट्रक अंडरपास की कम ऊंचाई के कारण फंसा रह गया।

ग्वालियर से श्योपुर तक गांव के भीतर आने जाने के लिए बनाई गई डीपीआर के लिए ओवर ब्रिज का कोई प्रावधान नहीं है हर गांव में अंडरपास ब्रिज बनाए गए हैं हालांकि रेलवे विभाग की ओर से विश्वास दिलाया गया था कि अंडरपास ब्रिज की ऊंचाई इतनी अधिक होगी कि ग्रामीणों को किसी तरह के परेशानी नहीं आएगी ग्रामीणों ने आशंका जताई थी कि जब फसल कटाई शुरू होगी तब हार्वेस्टर मशीन इस अंडरपास ब्रिज से नहीं निकलेगी लेकिन सरकार ने उनकी बात अनसुनी कर दी खास कर उन नेताओं ने जो किसानों की बात सरकार तक पहुंचा सकते थे, उन्होंने भी किसानों को सिर्फ आश्वासन देकर शांत कर दिया अब स्थिति यह हो गई की ऐसे गांव जिनमें अंडरपास से होकर ही जाया जा सकता है वहां हार्वेस्टर मशीन नहीं जा पा रही है कुछ जगह तो खाली ट्रक भी नहीं पहुंच पा रहे हैं ऐसी विषम स्थिति के कारण ग्रामीण ही नहीं वह व्यापारी भी परेशान हो गए हैं जो ट्रैकों से अपने सामान इस रूट से मंगवा रहे हैं।

अजलान सेवा समिति की सेक्टर बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



बुधवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक नेहा सिंह की अध्यक्षता में श्योपुर विकासखंड के ग्राम सेवापुर में सेक्टर बैठक का आयोजन किया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्था अजलान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उक्त बैठक के दौरान प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक नेहा सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने गांव को नशामुक्त ग्राम बनाने के लिए पोषण जोडो-पुडिया छोडो अभियान में सक्रिय भूमिका निभाये तथा समुदाय को इसके प्रति जागरूक करने का कार्य करें। इस अवसर पर उन्होंने जन अभियान परिषद की महत्वपूर्ण योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा समितियों को ओर अधिक सक्रिय बनाये जाने की अपेक्षा की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक शाहीन परवीन ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही समुदाय को जागरूक करते हुए समृद्ध गांव और खुशहाल समाज की अवधारणा को स्थापित करना है। कार्यक्रम के अंत में अजलान सेवा समिति के अध्यक्ष राजा खान द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति के सदस्य व अध्यक्ष कुंज बिहारी, ग्राम पंचायत सचिव सुरेश चंद्र बैरागी, ग्राम रोजगार सहायक जगदीश सुमन सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में बैठक आयोजित



श्योपुर। जिला चिकित्सालय श्योपुर के मीटिंग हॉल में सिविल सर्जन डॉ. एसएन बिंदल की अध्यक्षता में मेटरनिटी वार्ड में कार्यरत समस्त नर्सिंग इंचार्ज, वार्ड बॉय, आया, गार्ड एवं दाई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. बिंदल ने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मेटरनिटी वार्ड में आने वाली प्रत्येक गर्भवती महिला एवं प्रसूता की उचित देखभाल, सम्मानजनक व्यवहार एवं समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। किसी भी गर्भवती महिला अथवा मरीज को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा उन्हें शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर तरीके से प्रदान की जाएं। डॉ. बिंदल ने सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने तथा मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ सहयोगात्मक एवं मानवीय व्यवहार रखने के निर्देश दिए। बैठक में आरएमओ डॉ. गजेन्द्र सिंह धाकड़ सहित मेटरनिटी वार्ड के समस्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवा निवृत होने पर शिक्षक को दी स्टाफ ने भावभीनी विदाई

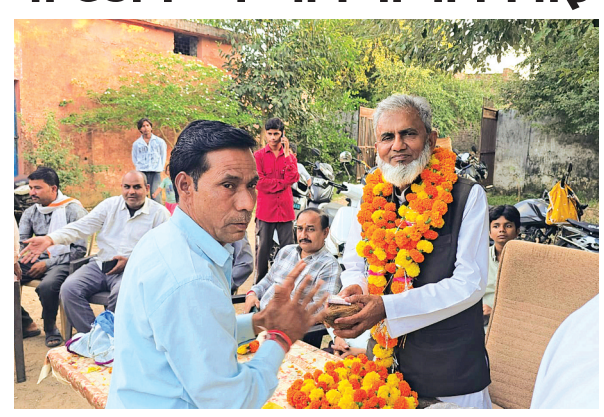

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शासकीय मिडिल स्कूल क्रमांक 2 में पदस्थ शिक्षक लियाकत उल्लाह खान को विगत दिनों स्टाफ ने सेवा निवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान शिक्षक ने दी गई पार्टी पर आभार जताते हुए कहा की वे सरकारी बंधन से मुक्त हुए हैं सेवा से नहीं। अब वे उनके लिए सेवा देंगे जो शिक्षा सेवा में पिछड़े हुए हैं। स्टाफ ने उन्हें जिस तरह सहयोग किया है वह उसे कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने अपने सेवाकाल में ईमानदारी के साथ काम करने का प्रयास किया है जिसके सकारात्मक परिणाम भी समय-समय पर मिले हैं निर्वाचन कार्य के दौरान उन्हें उत्कृष्ट पुरस्कार से भी निर्वाचन आयोग ने नवाजा है। अन्य स्वयंसेवी संस्थाओ ने भी उनके काम को सराहा है। उन्होंने अभी तक अपना काम इमानदारी से निभाया लेकिन उनकी शिक्षा दान के प्रति भूख अभी मिटी नहीं है वे अभी सरकारी बंधन से आजाद हुए हैं सेवा से नहीं वह अब उस वर्ग के लिए शिक्षा दान की सेवा देने का काम करेंगे जो वर्ग शिक्षा से दूरी बनाए हुए हैं।

देहात थाना पुलिस ने डोडा चूरा तस्करी मामले में दो धरे, जुआ खेलते चार पकड़े



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

देहात थाना पुलिस ने डोडा चूरा तस्करी मामले में दो आरोपियो को दबोचा है। वहीं जुआ खेलते हुए चार लोगो को अरेस्ट किया है। देहात थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि बीती रात को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि श्योपुर खातौली रोड स्थित जलालपुरा तिराहे के पास से एक व्यक्ति डोडा चूरा लेकर कहीं जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम के साथ दबिश देकर जलालपुरा तिराहे से आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम मुरारी सेन निवासी बडौदा बताया गया है। जिसके कब्जे से तलाशी के दौरान 0.245 किलोग्राम डोडा चूरा जब्त किया गया, आरोपी से जब पूछा गया कि उसने यह डोडा चूरा कहां से खरीदा तो उसने बडौदा के प्रीतू उर्फ प्रीतम नागर से डोडा चूरा खरीदने की बात बताई। इस पर प्रीतम नागर को भी इस मामले में आरोपी बनाते हुए अरेस्ट कर लिया। वहीं इस मामले में संलिप्त अन्य लोगो के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि इस कार्रवाई से पहले ननावद गांव के बस स्टैंड से ताश के पत्तो से हारजीत का दांव लगाते हुए चार लोगो को पकडा है। जिनमें रामभरत बैरवा निवासी मावदा, गिर्राज प्रजापति निवासी ननावद, जगदीश बैरवा निवासी बिजरपुर, रामलखन बैरवा निवासी ननावद शामिल है। इनके कब्जे से ताश की गड्डी के अलावा 3600 रूपए की राशि भी जब्त की गई है।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले नहीं दबने देंगे किसानों की आवाज

पराली जलाने पर किसान के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में बड़ौदा थाने का घेराव करेगी किसान कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



धान की पराली जलाने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले किसानों पर प्रशासन की ओर से सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई की जा रही है। लेकिन इसके बाद भी किसान मानने को तैयार नहीं है। इसलिए प्रशासन के द्वारा पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ न सिर्फ जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है,बल्कि उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है। इसी क्रम में बडौदा थाना पुलिस के द्वारा ग्राम पांडोला निवासी किसान हरमेल सिंह पुत्र मलकीत सिंह के खिलाफ पराली जलाने पर एफआईआर दर्ज की गई है। इस एफआईआर के विरोध में किसान कांग्रेस ने गुरूवार 5 नवंबर को बडौदा थाने का घेराव करने का अल्टीमेटम दे दिया है। श्योपुर के किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जसवंत सिंह बछेरी का कहना है कि प्रशासन किसानो को डरा और धमकाकर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन किसानों की आवाज को इस तरह दबने नहीं दिया जाएगा।

किसान कांग्रेस के श्योपुर जिलाध्यक्ष जसवंत सिंह बछेरी ने बताया कि प्रशासन के द्वारा पांडोला निवासी किसान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर किसानों की आवाज को दबाने की जो कार्रवाई की जा रही है,उसके विरोध में किसान कांग्रेस क्षेत्र के किसानों के साथ मिलकर 5 नवंबर को दोपहर 12 बजे बडौदा थाने का घेराव करेगी। उन्होने जिले के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओ के साथही क्षेत्रीय किसानों से अधिक से अधिक संख्या में बडौदा थाने के घेराव कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

इधर प्रशासन ने चार किसानों पर लगाया 30 हजार रुपए का जुर्माना

कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देश पर एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा द्वारा पराली जलाने पर लगातार जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तीन गांवो के 4 किसानों के खिलाफ 30 हजार रूपए का जुर्माना किए जाने की कार्रवाई की गई है। एसडीएम के द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि प्राप्त प्रतिवेदन एवं जांच के आधार पर कुल 04 किसानों द्वारा अपने खेतों में फसल अवशेष (पराली) जलाए जाने की पुष्टि हुई। इस पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित किसानों पर कुल 30 हजार का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। कार्रवाई के अंतर्गत तीन किसानों पर 5-5 हजार तथा एक किसान पर 15 हजार का अर्थदंड लगाया गया है। संबंधित तहसीलदार को अधिरोपित राशि की वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि जिन 4 किसानों पर जुर्माने की यह कार्रवाई की गई है, वे किसान बमोरी जाट, बिलेंडी तथा कंवरसली गांव के निवासी बताए गए है।

पराली प्रबंधन के लिए 68 अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा श्योपुर जिले में धान की पराली के प्रबंधन के लिए किसानों को जागरूक किए जाने के साथही अन्य कई कार्रवाईयां भी की जा रही है। इसी क्रम में अब कलेक्टर द्वारा जिला स्तर से 68 अधिकारियों को पराली प्रबंधन के लिए नियुक्त किया गया है, प्रत्येक अधिकारी को धान उत्पादन बाहुल्य क्षेत्र के दो-दो गांवों की जिम्मेदारी दी गई है। यह अधिकारी आवंटित ग्रामों में ग्राम स्तर पर गठित निगरानी समितियों के साथ समन्वय कर पराली प्रबंधन के लिए कार्य करेंगे।

5 गांवों में पराली जागरूकता शिविर आज

किसानों को पराली तथा फसलों के अन्य अवशेष खेतो में जलाने के कारण भूमि को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रशासन की ओर से गांव गांव शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किसानों को पराली प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्रो तथा कृषि अनुदान पोर्टल के माध्यम से कृषि यंत्रों के क्रय करने पर शासन द्वारा दिये जाने वाले अनुदान और अन्य सुविधाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में 05 नवंबर को ग्राम सेमल्दा, तलावदा, टिकटोली, फरारा एवं अगरा में शिविरों का आयोजन किया जायेगा तथा कृषि विस्तार अधिकारी सहित उद्यानिकी, पशुपालन विभाग सहित अन्य मैदानी अमले द्वारा पराली प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान की जायेगी।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में ग्वालियर बालिका वर्ग में भोपाल संभाग बना विजेता



श्योपुर। ढेंगदा स्थित क्रीडा परिसर में कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में आयोजित अंडर-14, 70वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिताओं का समापन बुधवार को समारोहपूर्वक हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 एवं 400 मीटर दौड के साथ ही ऊची कूद प्रतियोगिता के मुकाबले हुए। समापन समारोह में सभी विजेता खिलाडियों एवं टीमों को मेडल, शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। समारोह समारोह में डिप्टी कलेक्टर मेघा तिवारी, डीईओ यश जैन, सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य अशोक खंडेलवाल, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य जेपी जाटव, हजारेश्वर विद्यालय प्राचार्य रश्मि शर्मा, प्राचार्य भूपेंद्र गर्ग, जिला क्रीड़ा अधिकारी अजय त्रिवेदी, ब्लाक नोडल खेल श्योपुर देवेन्द्र सिंह सिकरवार आदि उपस्थित रहे। 100 मीटर दौड के बालक वर्ग में ग्वालियर संभाग के मोहित ने 12.36 मिनिट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रीवा संभाग के मनुराज 12.62 मिनिट समय के साथ द्वितीय और भोपाल संभाग के प्रीतम ने 12.85 मिनिट का समय लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में भोपाल संभाग की अल्जीवा 13.40 मिनिट समय के साथ प्रथम स्थान पर रहीं, इंदौर संभाग की शाहनवी ने 13.68 मिनिट के साथ द्वितीय एवं इंदौर संभाग की ही प्रियांशी ने 13.99 मिनिट के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड के बालक वर्ग में भोपाल संभाग के भविष्य प्रथम, भोपाल संभाग के ही विनय द्वितीय, सागर संभाग के प्रतीक तृतीय स्थान पर रहें, बालिका वर्ग में इंदौर संभाग की प्रणवी प्रथम, जनजाति कार्य विभाग टीम की शकीला द्वितीय, जबलपुर संभाग की महीशरा तृतीय स्थान पर रहीं। ऊँची कूद के बालक वर्ग में जनजातीय कार्य विभाग की टीम के विशाल 1.60 मीटर के साथ प्रथम, इंदौर संभाग के हंसराज 1.48 मीटर के साथ द्वितीय एवं इंदौर संभाग के ही सुदर्शन 1.45 मीटर के साथ तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में जनजातीय कार्य विभाग टीम की साक्षी ने 1.36 मीटर ऊचाई के साथ प्रथम, भोपाल संभाग की अनुष्का ने 1.34 मीटर के साथ द्वितीय और इंदौर संभाग की अनायशा ने 1.25 मीटर के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्क थ्रो के बालक वर्ग में जबलपुर संभाग के हामिद 40.60 मीटर दूरी के साथ प्रथम, जनजातीय कार्य विभाग टीम के सुनील जमरा 35.12 मीटर दूरी के साथ द्वितीय, इंदौर संभाग के आर्यन दुबे 32.89 मीटर दूरी के साथ तृतीय स्थान पर रहें। बालिका वर्ग में भोपाल संभाग की अवधी ने 21.33 मीटर दूरी के साथ प्रथम, उज्जैन संभाग की डोली ने 21.27 मीटर दूरी के साथ द्वितीय तथा जनजातीय विभाग टीम के जीता वर्डे ने 19.67 मीटर दूरी के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4×100 मीटर दौड के बालक वर्ग में भोपाल संभाग प्रथम रहा, जबकि इंदौर संभाग को द्वितीय और उज्जैन संभाग को तृतीय स्थान मिला। बालिका वर्ग में भोपाल संभाग ने प्रथम, इंदौर संभाग ने द्वितीय एवं जनजातीय विभाग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

खबर संक्षेप



खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर की होटलों पर की कार्रवाई

बीना। शहर में होटलों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर बिकने वाली खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांचने के लिए मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह ने टीम के साथ दो प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान सर्वोदय चौराहा स्थित होटल राजहंस से 15 किलो स्वीट केक और अमानक छैना के रसगुल्ले नष्ट कराए गए। वहीं छोटू चाय प्रतिष्ठान से मगद के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में असुरक्षित तरीके से खाद्य सामग्री बेचे जाने की सूचना मिली थी। अधिकारियों के निर्देश पर टीम ने दो प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। सर्वोदय चौराहे स्थित होटल राजहंस में जांच के दौरान स्वीट केक और छेना के रसगुल्ले नष्ट कराए गए। इनकी कीमत करीब 4 हजार रुपए बताई गई है। इसके अलावा होटल से पनीर का सेंपल लिया गया। दूसरी कार्रवाई छोटू चाय प्रतिष्ठान पर की गई, यहां से टीम ने मगद के नमूने लिए गए हैं। इन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि बीना में असुरक्षित तरीके से खानपान की सामग्री बेची जा रही है। नियमानुसार खानपान का सामान जाली से ढंक कर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि होटल संचालकों को नोटिस देकर नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाएंगे। नियम न मानने वालों पर कार्रवाई होगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बीना में पेपर में नाश्ता देने का चल है। पेपर की स्याही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

कार्यमुक्त होने के बाद भी शासकीय बंगले में अवैध रूप से चला रहे

कोलारस में प्रशासनिक नियमों को ठेंगा दिखा रहे पूर्व बीएमओ डॉ. राठौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

शिवपुरी जिले के स्वास्थ्य विभाग में अनुशासन और प्रशासनिक आदेश किस हद तक बेमानी हो चुके हैं, इसकी बानगी कोलारस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ देखी जा सकती है। कोलारस अस्पताल के लंबे समय तक प्रभारी बीएमओ रहे डॉ. संजय राठौर अपनी कुर्सी और रसूख के चलते शासन-प्रशासन के सख्त निर्देशों को भी ठेंगा दिखा रहे हैं। मूल पदस्थापना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लुकवासा भेजे जाने और स्पष्ट आदेशों के बाद भी सरकारी आवास खाली न करने वाले डॉ. संजय राठौर अब कोलारस के शासकीय बंगले में ही खुलेआम अवैध रूप से निजी क्लीनिक का संचालन कर रहे हैं। ताज्जुब की बात यह है कि इस अवैध क्लीनिक में गरीब और असहाय ग्रामीण मरीजों से भारी-भरकम परामर्श शुल्क भी वसूला जा रहा है।



स्थानांतरण और कार्यमुक्ति के आदेशों की सरेआम अवहेलना

जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर द्वारा गत 21 अक्टूबर को आदेश जारी कर जिलेभर के डॉक्टरों और कर्मचारियों के अटैचमेंट समाप्त करते हुए उन्हें उनकी मूल पदस्थापना पर लौटने के निर्देश दिए गए थे। इस प्रशासनिक फेरबदल के तहत डॉ. संजय राठौर का बीएमओ प्रभार समाप्त कर उनकी मूल पदस्थापना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लुकवासा कर दी गई थी। नियमों के तहत उन्हें तत्काल कोलारस से कार्यमुक्त होना था, लेकिन वो टालमटोल करते रहे। वर्तमान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार खंडोलिया द्वारा 28 अक्टूबर को उन्हें औपचारिक रूप से लुकवासा के लिए कार्यमुक्त करते हुए कोलारस अस्पताल परिसर स्थित शासकीय आवास को तत्काल खाली करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद डॉ. संजय राठौर द्वारा सरकारी बंगला खाली नहीं किया गया।

- सरकारी आवास बना अवैध प्रैक्टिस का अड्डा, मरीजों की मजबूरी का फायदा

भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि वलवीर निवोरिया ने आरोप लगाया है कि डॉ. संजय राठौर अपनी कार्यप्रणाली की मनमानी दिखाते हुए सुबह लुकवासा ओपीडी की खानापूर्ति कर दोपहर में वापस कोलारस लौट आते हैं और अस्पताल परिसर स्थित सरकारी आवास के भीतर ही मरीजों का उपचार शुरू कर देते हैं। डॉ संजय राठौर द्वारा कोलारस अस्पताल परिसर में सरकारी आवास पर अवैध रूप से संचालित किए जा रहे निजी क्लीनिक के वीडियो वायरल होने से यह स्पष्ट हो चुका है कि कैसे सरकारी बंगले पर मरीजों की भीड़ लगती है और पैसों का लेनदेन होता है। भाजपा नेता वलवीर निवोरिया ने कहा कि डॉ. संजय राठौर की इस मनमानी और मुख्यालय से गैर-हाजिरी का सीधा खामियाजा आम जनता और सड़क हादसों के गंभीर घायलों को भुगतना पड़ रहा है। लुकवासा क्षेत्र फोरलेन हाईवे से जुड़ा होने के कारण वहां आए दिन गंभीर हादसे होते हैं, लेकिन डॉक्टर संजय राठौर के मुख्यालय पर न मिलने के कारण घायलों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उन्हें मजबूरन कोलारस रैफर करना पड़ता है। पूर्व बीएमओ डॉ. संजय राठौर के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर कांग्रेस के नेताओं में भी भारी आक्रोश व्याप्त है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोलारस के अध्यक्ष वलभद्र सिंह धाकड़ ने कहा है कि यदि डॉ. संजय राठौर ने सरकारी आवास पर कब्जा बरकरार रखा, तो सभी कांग्रेसियों द्वारा जल्द ही अस्पताल परिसर के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

इनका कहना है

डॉ. संजय राठौर को कार्यमुक्त कर शासकीय आवास तत्काल खाली करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यदि वे लुकवासा मुख्यालय पर नहीं रुक रहे हैं और कोलारस के सरकारी आवास में मरीजों का उपचार कर रहे हैं, तो इस मामले जांच कराकर वैधानिक कार्रवाई करेंगे।
डॉ. सुनील कुमार खंडोलिया, खंड चिकित्सा अधिकारी कोलारस

कोलारस के शासकीय आवास में अवैध क्लीनिक चलाने और कार्यमुक्त होने के बाद भी आवास न खाली करने का यह मामला आपके द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है। यदि ऐसा है तो मैं पूरे मामले की जांच करवाता हूं, उसके बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।
डॉ. संजय ऋषीश्वर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिवपुरी

सरकारी आवास खाली करने के संदर्भ में मुझे कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। मैं वहां प्रेक्टिस नहीं कर रहा। मेरा घरवाला होगा कोई।
डॉ संजय राठौर, पूर्व बीएमओ कोलारस

पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

पति और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना मारपीट व 10 लाख मांगने का आरोप



हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

पिछोर थाना क्षेत्र के ग्राम गजौरा निवासी एक महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर लंबे समय से मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना करने, मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और मायके से 10 लाख रुपए लाने का दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि उसे करीब दो माह पूर्व पहने हुए कपड़ों में ही घर से निकाल दिया गया। मामले में पिछोर थाने में दो बार आवेदन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर महिला ने 3 नवंबर को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी को लिखित शिकायत देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में ग्राम गजौरा निवासी काजल प्रजापति ने बताया कि उनका विवाह करीब 20 वर्ष पूर्व महेंद्र प्रजापति पुत्र नेवालाल प्रजापति के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। दांपत्य जीवन से उनके दो बच्चे भी हैं। महिला का आरोप है कि पिछले काफी समय से पति महेंद्र प्रजापति, ससुर नेवालाल प्रजापति, सास गुड्डी प्रजापति और देवर राजू प्रजापति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोग उन्हें मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान कर रहे हैं।

पीड़िता के अनुसार, पति घर के खर्च के लिए पैसे नहीं देते और बीमार होने पर इलाज तक नहीं करवाते। खाने-पीने की परेशानी बताने या विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की जाती है। आरोप है कि उन्हें बार-बार घर छोड़कर जाने के लिए दबाव बनाया जाता है तथा ऐसा नहीं करने पर उन्हें और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी जाती है।

मायके से 10 लाख रुपए लाने का बनाया जा रहा दबाव

शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि पति और ससुराल पक्ष के लोग उन्हें घर में रखने के एवज में मायके से रोजगार करने के लिए 10 लाख रुपए लाने का दबाव बना रहे हैं। इतना ही नहीं, उनके सोने-चांदी के जेवर भी छीन लिए गए हैं। पीड़िता का कहना है कि करीब दो माह पहले उन्हें पहने हुए कपड़ों में ही ससुराल से बाहर कर दिया गया। काजल प्रजापति ने अपने आवेदन में बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर पुलिस थाना पिछोर में 24 अक्टूबर एवं 25 अक्टूबर को दो बार लिखित शिकायत दी थी, लेकिन उनके अनुसार अब तक पति और ससुराल पक्ष के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसी के चलते उन्होंने पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हुए आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने, उन्हें पाबंद करने तथा स्वयं और बच्चों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

सूचना पर नपा की फायर ब्रिगेड पहुंची

देर रात टेंट गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

शहर के वीर सावरकर वार्ड स्थित होटल गोमती नंदन के पास एक टेंट गोदाम में देर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात भीषण आग लग गई। जिससे गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। आग इतनी भीषण थी कि आग को काबू करने के लिए स्थानीय नगर पालिका, बीना रिफाइनरी एवं खुरई से फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। लेकिन जब तक गोदाम में रखा समान जलकर खाक हो चुका था। बड़े बाबा इवेंट संचालक अनूप जैन ने बताया रात करीब 2:30 बजे सूचना मिली कि टेंट गोदाम में आग लग गई है। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड एवं पुलिस को सूचना दी। लेकिन करीब 1 घंटे तक फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची और आग बढ़ती गई। इस दौरान पुलिस आग बुझाने के लिए प्रयास करती रही। सूचना पर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद खुरई नगर पालिका एवं बीना रिफाइनरी से भी फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और सुबह करीब 4 बजे आग पर काबू पाया गया। जब तक टेंट का सामान जल खाक हो चुका था।

संचालक अनूप जैन ने बताया आग लगने से गोदाम में रखा स्टेज शो की एसएफएफटी मशीन सहित साउंड सिस्टम, डेकोरेशन का सामान, झूमर, केवल, सोफा, फाइबर कुर्सियां, डीजे लाइट आर्टिफिशियल फूल, कालीन सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया है। इतना ही नहीं भीषण आग के कारण टीन सेट भी पूरा गर्म होकर झुक गया। उनका कहना है कि आग से करीब 80 से 85 लाख का नुकसान हुआ है।

46 साल से बंद सरकारी रास्ते पर चला प्रशासन का बुलडोजर, किसानों को मिली राहत

शिवपुरी/नरवर। सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण के कारण पिछले 46 वर्षों से आवागमन की समस्या झेल रहे ग्रामीणों और किसानों को आखिरकार राहत मिल गई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर तहसीलदार नरवर विजय कुमार त्यागी ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटवाया और बंद पड़े शासकीय रास्ते को फिर से खुलवा दिया।



जानकारी के अनुसार ग्राम उरवाहा निवासी भगवान सिंह एवं कमल सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आवेदन देकर शिकायत की थी कि उनकी कृषि भूमि सर्वे नंबर 365 तक पहुंचने के लिए सर्वे नंबर 364 से होकर शासकीय रास्ता निकलता है। इस रास्ते पर अतिक्रमण कर लिए जाने के कारण उनका खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। करीब एक किलोमीटर लंबा यह रास्ता लंबे समय से बंद पड़ा था। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने तहसीलदार नरवर को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा शासकीय रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश मिलते ही तहसीलदार विजय कुमार त्यागी राजस्व निरीक्षक (आरआई) एवं पटवारी के साथ मौके पर पहुंचे। राजस्व टीम ने स्थल का निरीक्षण कर सीमांकन किया और शासकीय रास्ते को चिह्नित किया। इसके बाद चूना डालकर रास्ते की सीमा निर्धारित की गई तथा जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटवाकर करीब 46 साल से बंद पड़े रास्ते को बहाल कराया गया।

प्राचार्य बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

आदिवासी छात्र से मारपीट के मामले में एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल, बंद सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

शासकीय एसएमएस पीजी कॉलेज शिवपुरी में आदिवासी छात्र के साथ हुई मारपीट का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। इस घटना को लेकर एनएसयूआई के छात्र नेताओं ने कॉलेज प्राचार्य पवन कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी छात्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से एनएसयूआई ने कॉलेज परिसर में छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। छात्र नेताओं का कहना है कि कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिसके कारण परिसर में होने वाली घटनाओं पर निगरानी नहीं हो पा रही है। उन्होंने बंद कैमरों को तत्काल दुरुस्त कराने और कॉलेज में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

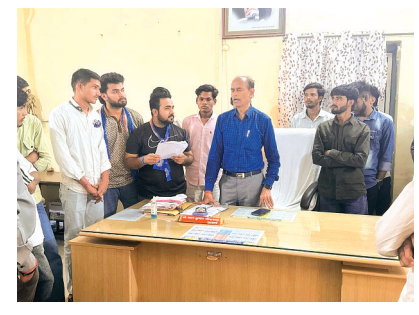

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष समीर खान ने आरोप लगाया कि बीते दिनों भाजपा नेताओं द्वारा कॉलेज परिसर में 'अराजकता हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान कॉलेज के छात्रों को सीसी नंबर देने के बहाने बुलाकर कार्यक्रम में बैठाए जाने की बात भी सामने आई है। एनएसयूआई ने इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कॉलेज परिसर में शैक्षणिक माहौल बनाए रखने की मांग की है।

जांच टीम गठित, दोषी मिलने पर होगी कार्रवाई

वहीं, मामले को लेकर कॉलेज प्राचार्य पवन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बीते दिनों दो छात्रों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। मामले की जांच के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। जांच में जो भी छात्र दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम मुहरीकला मजरा मडचावन में पुराने जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। खेत से घर लौट रहे एक व्यक्ति के साथ गांव के ही दो लोगों ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर बीच-बचाव करने पहुंचे उसके बड़े भाई, मां और भाभी के साथ भी डंडों से मारपीट की गई। घटना में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत अधिक चोटों के चलते गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी महेन्द्र सिंह केवट ने बताया कि 3 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में धर्मेन्द्र केवट के घर के सामने स्थित हैंडपंप के पास धर्मेन्द्र केवट और संजय केवट मिल गए। आरोप है कि दोनों ने पुराने जमीन विवाद को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आवाज सुनकर फरियादी का बड़ा भाई मेवालाल, मां कस्तूरी और भाभी सुमन मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इसी दौरान धर्मेन्द्र केवट ने मेवालाल के सिर पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। वहीं संजय केवट ने कस्तूरी और सुमन के साथ डंडों से मारपीट की। मारपीट में कस्तूरी के मुंह, हाथ और कलाई में चोटें आईं, जबकि सुमन के बाएं पैर और दोनों कोहनियों में चोट लगने की बात सामने आई है।

फरियादी के मुताबिक घटना के दौरान अनुका केवट और लक्ष्मी केवट निवासी मुहरीकला भी मौके पर मौजूद थीं। दोनों ने बीच-बचाव कर विवाद शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि जाते-जाते दोनों आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। घटना के बाद सिर में अधिक चोट आने से मेवालाल को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल खनियाधाना ले जाया गया। इसके बाद फरियादी महेन्द्र सिंह अपनी मां और भाभी के साथ खनियाधाना थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा शिकायत के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भाई के सिर में डंडा मारकर किया लहूलुहान, मां और भाभी से भी मारपीट



प्राचार्य विवेक महिंद्रा व बाबू पुरुषोत्तम तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी

पीएम श्री कन्या संकुल कोलारस में वित्तीय लापरवाही उजागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुर

कोलारस नगरीय क्षेत्र के शासकीय पीएम श्री एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं संकुल केंद्र की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। संकुल में पदस्थ शिक्षकों के एरियर, 12 वर्ष की सेवा के बाद मिलने वाले क्रमोनति आदेशों, वेतनमान फिक्सेशन और अन्य वित्तीय प्रकरणों को जानबूझकर लटकाए जाने तथा कथित अवैध वसूली के मामले उजागर होने के बाद कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सख्त रुख अपनाया है।

जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव द्वारा संकुल प्राचार्य विवेक महिंद्रा और सहायक ग्रेड-2 पुरुषोत्तम तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार संकुल प्राचार्य विवेक महिंद्रा और पिछले 15 वर्षों से एक ही स्थान पर जमे बाबू पुरुषोत्तम तिवारी ने कोलारस शिक्षा संकुल को अपनी मनमानी का चारागाह बना रखा है। शिक्षकों का आरोप है कि फिक्सेशन और एरियर से जुड़ी फाइलों को कंप्यूटर साइट पर अपलोड करने की जिम्मेदारी बाबू पुरुषोत्तम तिवारी के पास है, जो फाइलों में जानबूझकर तकनीकी और कागजी कमियां छोड़ देते हैं। इसके चलते ट्रेजरी से फाइलें बार-बार वापस लौटती हैं और शिक्षकों को आर्थिक व मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है।

शिक्षकों द्वारा यह भी आरोप लगाया गया है कि शासकीय पीएम श्री एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संकुल केंद्र कोलारस के वित्तीय प्रकरणों को आगे बढ़ाने के नाम पर कथित अवैध वसूली और सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। इसके अलावा, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम श्री योजना के तहत मिलने वाले फंड का उपयोग विद्यालय के वास्तविक विकास और जरूरतों पर खर्च करने के बजाय कागजी आयोजनों और बाहरी दिखावे पर किए जाने की चर्चाएं आम हैं। इन तमाम मनमानियों के चलते विभाग की छवि धूमिल हो रही है। जिला शिक्षा अधिकारी आकाश यादव द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से विभाग की छवि धूमिल हुई है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियमों के अंतर्गत सौंपे गए कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना को प्रदर्शित करता है। दोनों कर्मचारियों से पूछा गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के प्रावधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाए। दोनों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 3 दिवस के भीतर अपना जबाव जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिओम रघुवंशी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लिखा पत्र

कोलारस नगरीय क्षेत्र के शासकीय पीएम श्री एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं संकुल केंद्र की कार्यप्रणाली लगातार बड़े विवादों और भ्रष्टाचार के घेरे में आती जा रही है। संकुल में पदस्थ प्राचार्य विवेक महेंद्रा और पिछले 15 वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे बाबू पुरुषोत्तम तिवारी की कार्यशैली के खिलाफ अब राजनीतिक विरोध भी खुलकर सामने आने लगे हैं। भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिओम रघुवंशी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर इस मामले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। हरिओम रघुवंशी द्वारा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि कोलारस नगरीय क्षेत्र में स्थित शासकीय पीएम श्री कन्या संकुल के प्राचार्य विवेक महिंद्रा और बाबू पुरुषोत्तम तिवारी द्वारा लगातार शिक्षकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। क्रमोन्नति, फिक्सेशन और एरियर के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। प्राचार्य विवेक महिंद्रा और बाबू पुरुषोत्तम तिवारी शिक्षकों के हित में काम करने के बजाय अपने निजी स्वार्थ साधने में जुटे हैं। शिक्षकों के क्रमोनति, वेतनमान फिक्सेशन और एरियर से जुड़ी फाइलों को जानबूझकर तकनीकी कमियां बताकर लटकाया जाता है। आरोप है कि इन कार्यों को आगे बढ़ाने के एवज में अवैध वसूली और सुविधा शुल्क की मांग की जा रही है, जिससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिओम रघुवंशी ने पत्र में लिखा है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम श्री योजना के तहत मिलने वाले विकास फंड का उपयोग विद्यालय के उत्थान और छात्र-छात्राओं की बुनियादी सुविधाओं के लिए करने के बजाय, इसे कागजी आयोजनों और बाहरी दिखावे के नाम पर दीमक की तरह चट किया जा रहा है।

भौंती थाना क्षेत्र के नबलपुरा गांव का मामला

लाठियों से पीट-पीटकर युवक की हत्या, 3 आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी। जिले के भौंती थाना क्षेत्र में एक युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। मृतक की पहचान सतेन्द्र लोधी के रूप में हुई है। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर को फरियादी बृगभान लोधी (55) निवासी भौंती मजरा हम्मीरपुरा ने थाना भौंती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मनोज लोधी, वीर सिंह लोधी और इंद्रपाल लोधी ने उनके बेटे सतेन्द्र लोधी के साथ लाठियों से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।



एसपी के निर्देश पर गठित की गई पुलिस टीम

हत्या की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। थाना प्रभारी भौंती निरीक्षक घनश्याम भदौरिया ने पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 नवंबर को ही तीनों आरोपियों मनोज पुत्र सरुराम लोधी (38), इंद्रपाल पुत्र नाथूराम लोधी (38) और वीर सिंह पुत्र सरुराम लोधी (40), निवासी ग्राम नबलपुरा, थाना भौंती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।